हे सुदर्शनधारी तेरी हो रही जय जयकार | by Gulshan

हे सुदर्शनधारी तेरी हो रही जय जयकार
हो रही जय जयकार, तुम्हारी हो रही जय जयकार
हे सुदर्शनधारी.....

हाथ में बंसी गले में माला, मन को मोहे रूप निराला
रंग में तेरे डूब के देखो, नाच रही है ब्रिज की बाला
तेरा रंग है रे कारा, तूने ऐसा जादू डाला
तुम सबके हो हितकारी, तेरी हो रही जय जयकार
हे सुदर्शनधारी.....

बरसाने की खेलने होली आई है भक्तों की टोली
लाज शर्म सब छोड़ के खेलो, जैसे मीरा प्रेम में डोली
बिना रंग के ना छूटे, कोई माने चाहे रूठे
तुम मारो भर पिचकारी, तेरी हो रही जय जयकार
हे सुदर्शनधारी.....

छोड़ सब दुनिया के झमेले, बन जाओ तुम श्याम के चेले
विजयराज भी साथ चलेंगे, गुलशन क्यों जाते हो अकेले
ऐसा सुर तू लगाना, तुम श्याम को रिझाना
झूमे नाचे दुनिया सारी, तेरी हो रही जय जयकार
हे सुदर्शनधारी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a4%b9/